हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, मंगलवार, 7 अक्टूबर 2025

12 बरसात होने से किसानों में खुशी रबी बिजाई के...

12 महाराजा अजमीढ़ के आदर्श आज भी समाज के...

कमेटी की रिपोर्ट पर प्रभावित गांवों में एकत्रित बजट खर्च करने का प्रावधान

आठ गांवों में विकास कार्यों पर डीएमएफ से 69.50 लाख रुपये होंगे खर्च, विभाग ने बीडीपीओ को सौंपा बजट

माइंस अलॉट राशि का 10 फीसदी हिस्सा डीएमएफ में जमा करवाता है लीज होल्डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ निजामपुर

बीते दिनों उपायुक्त की अध्यक्षता में डीएमएफ कमेटी की बैठक हुई थी। जिसमें सांसद चौ. धर्मबीर व विधायक मंजू चौधरी की उपस्थिति में माइंस से प्रभावित गांवों में विकास कार्यों का बजट निर्धारित किया गया है। नांगल चौधरी हलके के आठ गांव सलेक्ट किए गए, जिनमें 69.50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। विभाग ने गांव वाइज बीडीपीओ को बजट सौंप दिया है।

नांगल चौधरी के आठ गांव प्रदूषण प्रभावित सलेक्टिड हुए

विधायक मंजू चौधरी ने बताया कि नांगल चौधरी निजामपुर ब्लॉक में छह से सात माइंस संचालित हैं, जिनमें ब्लास्टिंग प्रक्रिया से पत्थर खनन होता है। खनन के दौरान नजदीकी गांवों में ध्वनि, वायु तथा डस्ट प्रदूषण की समस्या बढ़ गई। साथ ही किसानों की फसल, सड़क व अन्य सुविधाओं को नुकसान होता है। भरपाई के लिए सरकार ने जिला स्तर डीएमएफ का प्रबंध किया है। जिसमें लीज होल्डर को अलॉट राशि का 10 फीसदी बजट जमा कराना होगा। बजट राशि जिला माइनिंग अधिकारी के हैड में जमा होगी तथा खर्चे के लिए कमेटी का प्रावधान किया है। कमेटी का चेयरमैन उपायुक्त व बतौर सदस्य सांसद, हलका विधायक, डीडीपीओ, फोरेस्ट विभाग तथा प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड को शामिल किया गया है। माइंस प्रभावित एरिया को विस्तृत करके 15 किलोमीटर निर्धारित कर दिया। जिनमें कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर बजट आवंटन किया गया है। सहायक माइनिंग अभियंता की ओर से जारी सूची में नांगल चौधरी के आठ गांव प्रदूषण प्रभावित सलेक्टिड हुए हैं। इनमें धौलेड़ा को 4.88 लाख दिए हैं। जिससे पेयजल सप्लाई की पाइप लाइन दबाई जाएगी। मेघोत बींजा को 13.35 मिले हैं, यह बजट वाटर स्टोरेज टैंक के निर्माण, पाइप लाइन दबाने तथा बोरवेल लगाने पर खर्च किया जाएगा। शहबाजपुर में 1.27 की लागत से वाटर टैंक का निर्माण होगा। मेघोत हाला की स्कूल में 1.27 से वाटर टैंक बनेगा। खातोली जाट को 19.50 लाख मिले हैं, जिससे प्राथमिक पाठशाला में शौचालय तथा वाटर सीवरेज लाइन का प्रबंध किया जाएगा। जैनपुर में 6.76 लाख से जिमशाला का निर्माण होगा तथा कमानिया गांव में 7.96 लाख से खेल ग्राउंड पर ट्रेक निर्माण कराया जाएगा। मौसमपुर में 14.57 लाख से आंगनबाड़ी केंद्र के भवन का निर्माण कराया जाएगा।

वंचित गांवों को दूसरे चरण की सूची में शामिल करेंगे

विधायक मंजू चौधरी ने बताया कि माइंस से प्रभावित गांवों में कई सालों से डीएमफ से विकास कार्य नहीं हुए हैं। बीते दिनों मीटिंग में विभाग को प्रभावित गांवों की सूची देकर विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया था। जिसके आधार पर बीडीपीओ को डीएमएफ का बजट उपलब्ध करवा दिया है। अभी कई गांव बजट से वंचित हैं, जिन्हें दूसरे चरण में शामिल करके नुकसान की भरपाई कराई जाएगी।

माइंस प्रभावित गांवों को बजट हुआ आंवटित

माइनिंग विभाग के एएमई अनिल जागलान ने बताया कि डीएमएफ में माइंस लीज राशि का 10 फीसदी हिस्सा जमा होता है। यह बजट कमेटी की रिपोर्ट पर माइंस से प्रभावित गांवों में विकास कार्यों पर खर्च करने का प्रावधान है। कमेटी में सांसद, हलका विधायक के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल होते हैं। बीते दिनों आठ गांवों में विकास कार्यों का बजट बीडीपीओ को सौंप दिया। वंचित गांवों के लिए कमेटी की रिपोर्ट मिलने पर बजट दे दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

नारनौल। समाजसेवियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

समाजसेवी टिंकू प्रधान, जीतू रईस को किया सम्मानित

नारनौल। शहर में समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवाओं को सम्मानित करने के लिए किशनलाल सेवा समिति की ओर से कार्यालय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किशनलाल सेवा समिति के अध्यक्ष पवन कुमार, यूएसएसएल अकादमी के अध्यक्ष राकेश यादव तथा सामाजिक कार्यकर्ता संजय सैनी ने मिलकर युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट के सक्रिय सदस्य टिंकू प्रधान तथा जीतू रईस को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया।

अटेली में आज निकाली जाएगी शोभायात्रा

मंडी अटेली। महर्षि वाल्मीकि जयंती अटेली में सात अक्टूबर को धूमधाम से मनाई जाएगी। हर वर्ष की तरह इस बार भी युवा वाल्मीकि समिति अटेली की ओर से भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर भगवान वाल्मीकि की शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से निकाली जाएगी।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

तहसीलदार ने दिलाया समाधान का आश्वासन

एनसीसी नामांकन विवाद पर भड़के ग्रामीण, विद्यालय गेट पर दिया धरना

जिला शिक्षा अधिकारी के आदेशों की अनदेखी व एनसीसी यूनिट के पंजीकरण में देरी से नाराज हैं ग्रामीण

▶▶ धरने की सूचना मिलते ही विद्यालय प्राचार्य बस्तीराम मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की, लेकिन उनकी बातों से लोग संतुष्ट नहीं हुए। मामला बढ़ने पर प्रशासन को सूचित किया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी में एनसीसी नामांकन को लेकर पिछले कई महीनों से चल रहे विवाद ने आखिरकार सोमवार को तूल पकड़ लिया। जिला शिक्षा अधिकारी के आदेशों की अनदेखी व एनसीसी यूनिट के पंजीकरण में देरी से नाराज ग्रामीणों ने विद्यालय के मुख्य द्वार पर धरना-प्रदर्शन किया। सुबह विद्यालय खुलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए और विद्यालय प्राचार्य के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि इच्छुक छात्रों का एनसीसी नामांकन तुरंत प्रभाव से शुरू किया जाए।

धरने की सूचना मिलते ही विद्यालय प्राचार्य बस्तीराम मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की, लेकिन उनकी बातों से लोग संतुष्ट नहीं हुए। मामला बढ़ने पर प्रशासन को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही तहसीलदार निशा व खंड शिक्षा अधिकारी सुनीता यादव विद्यालय पहुंची। दोनों अधिकारियों ने प्राचार्य व ग्रामीणों से विस्तार से बातचीत की तथा विद्यालय की कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से भी स्थिति जानी। तहसीलदार ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि सात दिनों के भीतर इच्छुक विद्यार्थियों का एनसीसी में नियमानुसार नामांकन करवा दिया जाएगा। इसके बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया।

नांगल चौधरी। धरना-प्रदर्शन पर लोगों से बातचीत करती तहसीलदार निशा। फोटो: हरिभूमि

प्रशासन ने दिया स्पष्ट संदेश

तहसीलदार निशा ने बताया कि विद्यालय में एनसीसी कभी बंद नहीं होगी। जिन विद्यार्थियों ने एनसीसी ले रखी है, उनकी गतिविधियां जारी रहेंगी और जो नए विद्यार्थी नामांकन चाहते हैं, उनका प्रवेश सात दिन के भीतर करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा का मंदिर है, जहां अनुशासन और सद्भाव का पाठ पढ़ाया जाता है। शिक्षकों के बीच मतभेद विद्यार्थियों पर असर डालना उचित नहीं है।

60 साल पुरानी परंपरा पर संकट

गौरतलब है कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी में पिछले लगभग 60 वर्षों से एनसीसी की यूनिट सक्रिय रही है। एनसीसी की गतिविधियां छात्रों में अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और राष्ट्रप्रेम की भावना को बढ़ावा देती हैं, लेकिन पिछले कुछ महीनों से प्राचार्य और एनसीसी इंचार्ज के बीच चल रहे विवाद ने इस परंपरा पर संकट खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि एनसीसी, जिसने पीढ़ियों को अनुशासन व सेवा का संस्कार दिया, आज जिद और लापरवाही के कारण बंद होने की कगार पर है।

आपसी मनमुटाव बना कारण

जब से प्राचार्य बस्तीराम ने पदभार संभाला है, तभी से विद्यालय के एनसीसी इंचार्ज ब्रिजेश के साथ उनका आपसी मनमुटाव जारी है। दोनों के बीच आए दिन आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति बनी रहती है। बताया जा रहा है कि ब्रिजेश को एनसीसी इंचार्ज पद से हटा भी दिया गया है। शिक्षा विभाग का मानना है कि यह स्थिति विद्यार्थियों के हितों के प्रतिकूल है। विभाग ने पहले ही चेतावनी जारी कर स्पष्ट किया था कि एनसीसी यूनिट को किसी भी कीमत पर बंद नहीं होने दिया जाएगा, क्योंकि यह छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

प्रदर्शन में शामिल रहे स्थानीय प्रतिनिधि

धरना-प्रदर्शन में चेयरमैन प्रतिनिधि रमेश सैनी, पार्षद विकास शर्मा, होशियार मास्टर, बंटी भार्गव, भवानी शंकर जोशी, राकेश, लीलाराम होलदार, कृष्ण सोनी, बाबूलाल नेहरा, पवन सहित कई अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने प्रशासन से यह सुनिश्चित करने की मांग की कि विद्यालय में एनसीसी किसी भी स्थिति में बंद न की जाए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि जिला शिक्षा अधिकारी के सख्त आदेशों व 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी नारनौल की बार-बार की लिखित हिदायतों के बावजूद विद्यालय प्राचार्य ने अब तक नामांकन प्रक्रिया शुरू नहीं की। जानकारी के अनुसार 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी की ओर से विद्यालय प्रशासन को बार-बार लिखित निर्देश भेजे गए कि इच्छुक विद्यार्थियों का ऑनलाइन पंजीकरण 26 सितम्बर तक हर हाल में पूरा किया जाए, लेकिन विद्यालय स्तर पर कोई कदम नहीं उठाया गया। इस लापरवाही के चलते न केवल छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है, बल्कि विद्यालय की दशकों पुरानी एनसीसी यूनिट भी बंद होने के कगार पर है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि तय समय में नामांकन प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, तो वे फिर से धरना देने को मजबूर होंगे।

महेंद्रगढ़। नारियल फोड़कर सड़क का उद्घाटन करते विधायक कंवरसिंह यादव।

वार्ड नंबर 7 की 4 सड़कों का विधायक ने किया उद्घाटन

महेंद्रगढ़। विधायक कंवर सिंह यादव और नगरपालिका चेयरमैन ने नगर के वार्ड नंबर सात की चार सड़कों का उद्घाटन नारियल फोड़कर शुभांरभ किया। इसमें भगत सिंह की कोठी से नत्थूवाली माता तक, सतबीर के घर से राजकुमार के घर तक, सतबीर के प्लाट से राठी की हवेली तक, महेंद्र सैनी के घर से राठी चौक होते हुए हरि तिवारी के मकान तक इन सड़कों का कार्य निर्माण शुरू हुआ। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि महेंद्रगढ़ नगर में विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। क्षेत्र के लोगों की सुविधाओं और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सभी विकास परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं सड़क, बिजली, पानी और स्वच्छता समय पर और गुणवत्तापूर्ण रूप में मिलें। आज वार्ड नंबर 7 की चार सड़कें जो 35 लाख की लागत से बनी हैं, उनका उद्घाटन किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में विकास कार्यों की और अग्रसर है। इस अवसर पर नगरपालिका एमई राजेश कौशिक, नवदीप जेई, नगर पार्षद भतेरी देवी, पार्षद राजेश सैनी, पार्षद सुखबीर, यशपाल, मनोनीत पार्षद मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

नारनौल। राजस्व कर्मियों को रोवर का प्रशिक्षण देते डीआरओ राकेश कुमार।

अब रोवर से होगी जमीन की पैमाइश

नारनौल। अब हरियाणा में जमीनी पैमाइश रोवर तकनीक के आधार पर होगी। इसी तकनीक के बारे में जानकारी देने के लिए सोमवार को लघु सचिवालय में जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में राजस्व विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को रोवर का प्रशिक्षण दिया गया। डीआरओ ने बताया कि यह जिला स्तरीय प्रशिक्षण हरियाणा सरकार की महत्त्वाकांक्षी लार्ज स्केल मैपिंग हरियाणा परियोजना का एक अभिन्न अंग है। इस तकनीक का उद्देश्य राज्य में भूमि रिकॉर्ड को आधुनिक व त्रुटिरहित बनाना है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य राजस्व अधिकारियों जैसे पटवारी व कानूनगो को रोवर उपकरण के संचालन और इसके उपयोग से अत्यधिक सटीकता के साथ भूमि की पैमाइश करने में दक्ष बनाना है। रोवर एक उन्नत सक्षम उपकरण है, जो राज्य भर में स्थापित कंटीन्यूअसली ऑपरेटिंग रेफरेंस स्टेशन नेटवर्क के सहयोग से कार्य करता है। जिससे पैमाइश की सटीकता और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार ने सभी प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने व नई तकनीक का उपयोग कर राजस्व संबंधी कार्यों को प्रभावी ढंग से निष्पादित करने का आह्वान किया।

- राजस्व कर्मियों को दिया रोवर आधारित भूमि पैमाइश का प्रशिक्षण
- लार्ज स्केल मैपिंग परियोजना को गति देने की पहल

अवैध हथियार के साथ एक आरोपित पकड़ा

नारनौल। सीआईए महेंद्रगढ़ की पुलिस टीम ने थाना सदर नारनौल क्षेत्र से अवैध हथियार रखने के मामले में गुप्त सूचना के आधार पर एक आरोपित रोहित वासी बड़गांव को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित से पुलिस ने एक अवैध देसी पिस्टल और दो जिन्दा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपित को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सीआईए महेंद्रगढ़ की टीम गस्त के दौरान नांगतिहाड़ी बस अड्डा पर मौजूद थी। टीम को गुप्त सूचना मिली कि रोहित वासी बड़गांव थाना सदर नारनौल, अवैध हथियार लिए हुए नांगतिहाड़ी से अपने गांव बड़गांव पैदल पैदल जा रहा है। अगर तुरंत रेड की जाए तो अवैध हथियार सहित काबू आ सकता है। सूचना के आधार पर टीम ने बतलाए हुए स्थान पर रेड की। जहां से एक युवक को काबू करके नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम रोहित उपरोक्त बतलाया। जिसकी तलाशी लेने पर एक देशी पिस्टल व दो जिन्दा कारतूस मिले। पुलिस ने अवैध हथियार को जब्त कर लिया और आरोपित के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत थाना सदर नारनौल में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

महेन्द्रगढ़ से अटेली वाया दौंगड़ा चौक जर्जर सड़क के नवीनीकरण की मांग को लेकर बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दौंगड़ा चौक पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने हाथों में पोस्टर लहराकर तथा नारेबाजी कर सरकार को चेतावनी दी कि 10 दिन के अंदर सड़क नवीनीकरण का कार्य शुरू नहीं किया गया, तो बहुजन समाज पार्टी उपायुक्त कार्यालय पर बेमियादी धरना शुरू करेगी।

बसपा नेता अतरलाल ने कहा कि महेन्द्रगढ़ से अटेली तक पूरी सड़क में सैंकड़ों गड्ढे होने के कारण सड़क बिल्कुल जर्जर हो चुकी है। वाहनों तथा लोगों को आने जाने में भारी परेशानी होती है। इस सड़क से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। सरकारी, निजी तथा स्कूलों की बसों का आवागमन होता रहता है। 30 किलोमीटर के मार्ग को पार करने में डेढ़ दो घंटे लग जाते हैं। सफर में यात्रियों को दुर्घटना का भय बना रहता है। लोग राम राम करके बड़ी मुश्किल से सफर पूरा करते हैं।

नारनौल। सड़क नवीनीकरण की मांग को लेकर प्रदर्शन करते बसपा कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

यात्रियों की सुविधा हेतु बाडमेर-जम्मूतवी एक तरफा स्पेशल रेल सेवा का संचालन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

रेलवे की ओर से अतिरिक्त यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु बाडमेर-जम्मूतवी एक तरफा स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 04818 बाडमेर-जम्मूतवी एक तरफा स्पेशल रेलसेवा आठ अक्टूबर को (एक ट्रिप) बाडमेर से बुधवार को 12:30 बजे रवाना होकर गुरुवार को 15:30 बजे जम्मूतवी पहुंचेगी। इस रेलसेवा में दो फर्स्ट मय सैकण्ड एसी, एक सैकण्ड एसी, दो सैकण्ड मय थर्ड एसी, तीन थर्ड एसी, आठ द्वितीय शयनयान, तीन साधारण श्रेणी व एक गार्ड डिब्बों सहित कुल 20 डिब्बें होंगे।

समय सारणी

स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
बाडमेर	—	12:30 (बुध)
बायतू	13:12	13:14
बालोतरा	14:00	14:05
समदडी	14:25	14:30
ढुंढाड़ा	15:00	15:02
लूनी	15:30	15:33
जोधपुर	16:40	16:50
गोटन	18:00	18:02
मेडता रोड	18:30	18:35
डेगाना	19:10	19:13
मकराना	19:45	19:48
कुचामन सिटी	20:02	20:04
नावां सिटी	20:20	20:22
फुलेरा	21:58	22:00
रेनवाल	22:28	22:30
रींगस	22:58	23:01
श्रीमाधोपुर	23:15	23:17
कावंट	23:32	23:34
नीमकाथाना	23:50	23:53
डाबला	00:15	00:17 (गुरु)
नारनौल	00:37	00:40
अटेली	00:55	00:57
रेवाड़ी	02:05	02:10
अस्थल बोहर	03:15	03:17
रोहतक	03:28	03:30
जींद	04:10	04:15
नरवाना	04:40	04:42
जाखल	05:35	05:40
संगरूर	07:00	07:02
धुरी	07:43	07:45
लुधियाना	09:10	09:30
जालन्धर सिटी	10:20	10:25
टाडा उडमुड	11:13	11:15
पठानकोट कैंट	12:25	12:30
हीरानगर	13:35	13:37
साम्बा	13:52	13:54
जम्मूतवी	15:30 (गुरु)	—

बैठक — गावों में विकास कार्य करवाने को लेकर 60 लाख रुपये की ग्रांट जारी

समिति चेयरमैन जेपी यादव ने की बैठक की अध्यक्षता

पंचायत समिति की बैठक में हुआ दुकानों की किराया वसूली और विकास कार्यों पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

पंचायत समिति कनीना के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को पंचायत समिति के मीटिंग हॉल में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता पंचायत समिति के चेयरमैन जयप्रकाश यादव ने की जबकि बैठक की कार्रवाई पंचायत समिति के कार्यकारी अधिकारी नवदीप सिंह ने इंद्राज की। इस बैठक में पंचायत समिति की दुकानों को हटाने व किराया वसूली करने तथा गांवों में विकास कार्यों को लेकर मंथन किया गया। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट में लंबित याचिका को लेकर जवाबदावा दाखिल किया जाएगा। गावों में रास्तों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने तथा पुराने कब्जों को वैध करने के लिए भी विचार विमर्श किया गया।

कनीना। पंचायत समिति की बैठक में उपस्थित चेयरमैन, बीडीपीओ व अन्य। फोटो: हरिभूमि

विचाराधीन केसों की सुनवाई से अवगत कराया

उन्होंने बताया कि सदस्यों को विभिन्न अदालतों में विचाराधीन केसों की सुनवाई से अवगत कराया गया। 2019 के बाद दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए थे। इस मौके पर पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन रमेश महलावत, सदस्य महिपाल नम्बरदार, भाजपा मंडल प्रधान वीरेंद्र सिंह सहित पंचायत समिति सदस्य उपस्थित थे।

विकास कार्यों पर खर्च होंगे रुपये

हाईकोर्ट ने वर्ष 2024 में एक फैसला सुनाते हुए सक्षम अधिकारी द्वारा दुकान रखने या तोड़ने को लेकर निर्णय लेने के बारे में कहा गया था। उस निर्णय के बारे में सदस्यों को जानकारी दी गई। बैठक में पहुंचे सदस्यों ने गावों में करवाए जाने वाले विकास कार्यों को लेकर प्रस्ताव रखे। जिनमें से एक-एक कर सभी कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरे करने का आश्वासन दिया गया। पंचायत समिति में 60 लाख रुपये की ग्रांट उपलब्ध हुई है जिसे उन गांवों में विकास कार्यों पर खर्च किया जाएगा जिसमें पहले की तुलना में कम कार्य हुआ था। गावों में पार्क बनवाने, गंदे पानी की निकासी के लिए सीवरेज तथा जोहड खुदाई आदि कार्य करवाने के लिए एस्टीमेट तैयार किए गए हैं। बैठक में आंगनबाड़ी भवन बनवाने तथा आगामी बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित रहने के बारे में भी आश्वस्त किया गया।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

haribhoomi.com

हरिभूमि

सहेली

रोहतक, मंगलवार
7 अक्टूबर 2025

करवा चौथ विशेष

दांपत्य जीवन में आस्था का उत्सव

करवा चौथ का पर्व स्त्रियों की आस्था और दांपत्य जीवन के प्रति उनके समर्पण के भाव को प्रतिबिंबित करता है। विवाहित स्त्रियां इस पर्व के जरिए चांद को साक्षी मानकर अपने रिश्तों को संजोने का संकल्प लेती हैं, जिसमें उनके परिवार के सदस्यों का अपनापन, स्नेह और संस्कृति-पूजन परंपराओं की सोंधी महक भी समायी होती है।

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा

भारत में मनाए जाने वाले अनेक पर्वों में कुछ ऐसे भी हैं, जो सीधे स्त्री मन की गहराई को छूते हैं। करवा चौथ इन्हीं में से एक है। यह केवल एक दिन का व्रत नहीं, स्त्री के प्रेम, समर्पण और आस्था की आत्मिक निष्ठा है, जो हर वक्त उसके हृदय में बनी रहती है। हर वर्ष करवा चौथ का दिन स्त्रियों को याद दिलाता है कि रिश्तों की शक्ति केवल शब्दों या कथनों में नहीं, बल्कि भावनाओं, विश्वास और त्याग में निहित होती है।

स्त्री के अस्तित्व की आत्मीय अनुभूति

करवा चौथ का व्रत, स्त्री के लिए केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, उसके अस्तित्व की वह आत्मीय अनुभूति है, जिसमें प्रेम, आस्था और समर्पण एक साथ बसते हैं। यह दिन उसे अवसर देता है कि वह अपने रिश्ते को साधारण दिनचर्या से उठाकर, एक ऊंचे भावलोक तक पहुंचा सके। चांद की शीतलता में जब एक स्त्री दीप-जल के साथ पति का मुखड़ा देखती है, तो ऐसा लगता है कि चांद भी उस दिन अपनी कोमल छटा में इतरा रहा है।

स्त्री के भीतर छिपे अदृश्य सौंदर्य का उत्सव

भारतीय संस्कृति में व्रत और उपवास कोई भी कर सकता है, लेकिन त्याग-समर्पण का जिम्मा स्त्री ने अपनी पहचान और अधिकार बना लिया है। भारतीय स्त्रियां केवल व्रतों के माध्यम से ही नहीं, अपने हर कर्म और समर्पित प्रयास से परिवार को पोषित करती हैं। इसी क्रम में करवा चौथ स्त्री के भीतर छिपे उस अदृश्य सौंदर्य का उत्सव है, जो रिश्तों में नई ऊष्मा भरता है।

घर और मन की सजावट

हमारे हर पर्व की अपनी अलग सुगंध, रंग-रूप और तैयारी होती है। करवा चौथ की तैयारियां भी केवल एक दिन पहले से शुरू नहीं होतीं, बल्कि इसकी मानसिक तैयारी तो बरसात के दिनों से ही शुरू हो जाती है। बरसात के बीतने के बाद, जैसे ही मौसम अपना रुख बदलता है, स्त्रियां धीरे-धीरे करवा चौथ की तैयारी की सोचने लगती हैं। घर की सबसे बड़ी या अनुभवी स्त्री की अनुमति लेकर युवा स्त्रियां घर में एक शांत और पवित्र कोना चुनती हैं। इसके बाद अल्पना बनाने का काम होता है। घर की सबसे कुशल और होशियार बहू को कुछ दिनों के लिए चौका-बर्तन से छुट्टी दे दी जाती है, ताकि वह ध्यानपूर्वक अल्पना बना सके। करवा की अल्पना में स्त्री ने सदैव प्रकृति को प्रमुखता दी है। उसने अपनी सहगामी परिधि में सूरज, चांद, सितारे, बरगद, पीपल, रिश्ते, भाई-बहन, देवरानी-जेठानी, मजदूर, गाय-बैल और किसान सबको बनाया और पूजा की। यह अल्पना केवल सजावट नहीं, बल्कि स्त्री के मन, उसकी कल्पना और उसके जीवन के छोटे-बड़े हिस्सों का प्रतिबिंब भी होती है।

अपनत्व से दमकता स्त्री मन

जब करवा चौथ का व्रत आता, तो उसकी पहली रात घर की बड़ी-बूढ़ी स्त्रियां खीर, हलुआ और अन्य मिठाइयां तैयार करती हैं। चाहे दिन भर कितनी भी व्यस्तता क्यों न हो, कुछ मीठा अवश्य बनता है, ताकि व्रती स्त्री खा सके। क्योंकि मीठा खाने से प्यास नहीं लगती और दूसरा दिन ऊर्जावान बना रहता है। हाथों में मेहंदी रचती है, साड़ी, झुमके और नथ-टीका निकाले जाते हैं। इन तैयारियों के बीच, स्त्रियों का मन अपनत्व से दमकता रहता है।

व्रत का दिन और उत्सव का चरम

व्रत वाले दिन स्त्री निर्जल रहकर भी उमंग-उत्साह से लबरेज रहती है। सुबह से ही घर का वातावरण विशेष प्रतीत होता है। हर काम, चाहे सफाई में झाड़ू लगाने का काम हो या बच्चों को तैयार करने का, पवित्र और ध्यानमग्न होकर किया जाता है। रात होते-होते घर का माहौल और भी उल्लासमय हो जाता है। बाहर चांदनी शांत और कोमल रात होती है और अंदर करवा की पूजा-पाठ, कथा कही-सुनाई जाती है। पति के मंगलमय जीवन की कामना की जाती है। जब चांद निकलता है तो वह केवल आकाशीय घटना भर नहीं रह जाता, उस क्षण स्त्री के मनाकाश में प्रेम और विश्वास का प्रतीक बनकर चांद उदित होता है। करवा के व्रत का सबसे भावपूर्ण क्षण वह होता है, जब पत्नी चांद को अर्घ्य देती है फिर पति के हाथ से जल ग्रहण करती है तो उसकी आंखों में उस क्षण प्रेम की एक अलग ही चमक होती है।

इस तरह स्त्रियों के मन और हृदय में बसी श्रद्धा और आस्था है, जो न केवल उनके जीवन को रोशन करती है, बल्कि परिवार और रिश्तों को स्थायी, आत्मीय और सजीव बनाती है। मिट्टी की खुशबू, चांद की शीतलता और लोकगीतों का मधुर स्वर, ये सब मिलकर करवा चौथ को केवल उपवास या पूजा नहीं, बल्कि संस्कृति और प्रेम का जीवंत उत्सव बना देती हैं। कहा जा सकता है कि ऐसे त्योहार, केवल आनंद के अवसर ही निर्मित नहीं करते, ये हमें समय, समुदाय और जीवन के गहरे अर्थों की याद दिलाते हैं। ये हमें प्रेम से जीना सिखाते हैं, आपस में जोड़कर रखते हैं।

करवा चौथ के दौरान कई महिलाओं को डिहाइड्रेशन की समस्या होने लगती है। इससे बचने के लिए आपको सरगी लेते समय ऐसे फूड्स, ड्रिंक्स को शामिल करना चाहिए, जिससे आप पूरे दिन हाइड्रेटेड-एनर्जेटिक फील कर सकें।

व्रत के दौरान इस तरह रखें खुद को हाइड्रेट

डाइट सजेशन

निकिता चौहान

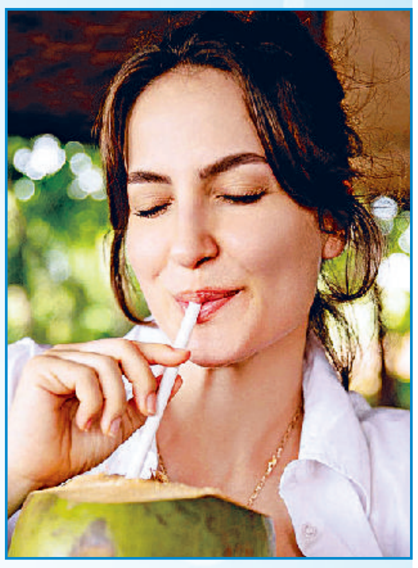

करवा चौथ पर विवाहित महिलाएं निर्जला व्रत करती हैं। इस दिन वे सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक उपवास रखती हैं और अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती हैं। इस दौरान कई महिलाओं को कमजोरी महसूस होती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि वे खुद को प्रॉपर तरीके से हाइड्रेट नहीं रखती हैं। इस वजह से उन्हें चक्कर आने लगता है तो कुछ को मितली जैसा महसूस होता है। इन समस्याओं से बचने के लिए महिलाओं और विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं को व्रत के दौरान अपने हाइड्रेशन का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। यहां आपको खुद को हाइड्रेट रखने के तरीके बता रहे हैं।

ऐसे करें दिन की शुरुआत: दिन की शुरुआत 2-3 गिलास सादा पानी पीने से करें। इसके बाद सूर्योदय से पहले खाई जाने वाली सरगी में ऐसे खाद्य को शामिल करें, जिसमें पानी पर्याप्त मात्रा में हो। नारियल पानी और छाछ पी सकती हैं। इनमें इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो शरीर को हाइड्रेटेड और ठंडा रखते हैं। चाय, कॉफी और नमकीन स्नैक्स लेने से बचें। व्रत के दौरान पानी से भरपूर फल जैसे संतरा, पपीता और खीरा आदि का सेवन कर सकती हैं।

आपको भूख महसूस न हो इसके लिए सरगी में आप हेल्दी फैट्स और प्रोटीन लें। इसके लिए भीगे बादाम, दूध, दही और पनीर का सेवन कर सकती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान: अगर आपको कोई स्वास्थ्य समस्या है या कमजोरी महसूस कर रही हैं तो पूरे दिन का निर्जला व्रत रखने से बचें। पूरे दिन थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीती रहें। नारियल पानी या ओआरएस घोल भी पी सकती हैं। ठोस खाद्य के बजाय तरल पदार्थ अधिक मात्रा में लें। निराहार के बजाय फलाहार उपवास कर सकती हैं।

थकान से बचें: व्रत के दौरान पानी की कमी ना हो इसके लिए दिन के समय धूप और गर्मी से बचें। ज्यादा शारीरिक श्रम न करें और हल्की, ढीली ड्रेस पहनें। आराम करती रहें ताकि पसीने से पानी की कमी न हो।

डिहाइड्रेशन के लक्षण पहचानें: उपवास के दौरान पानी न पीने से कई महिलाओं को डिहाइड्रेशन का रिस्क रहता है। ऐसे में आपको इन लक्षणों पर ध्यान देना जरूरी है- चक्कर या हल्की बेहोशी महसूस होना, सिरदर्द, बार-बार होंठ या मुंह सूखना, थकान या चिड़चिड़ापन, यूरीन कम होना या गहरे रंग का होना। अगर ये सभी या इनमें से कोई लक्षण दिखे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

डॉक्टर से कंसल्ट करें: अगर आपको कोई मेडिकल इश्यू है या आप प्रेग्नेंट हैं तो व्रत रखने का निर्णय लेने से पहले स्त्री रोग विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। डॉक्टर आपके ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल और आपकी सेहत की अन्य बातों पर गौर करके आपको व्रत के दौरान सावधानी बरतने संबंधी उचित सलाह देंगी। आपको ध्यान रखना चाहिए कि हर महिला का शरीर अलग तरह का होता है। ऐसे में व्रत के दौरान क्या करना है, क्या नहीं, इस बारे में अपने डॉक्टर से जरूर बात करें।

(मदरहुड अस्पताल, एनसीआर की कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. स्मिति जैन से बातचीत पर आधारित)

भावनाएं / प्रस्तुति:आरती सक्सेना

दांपत्य जीवन में प्रेम-समर्पण का प्रतीक करवा चौथ का व्रत

दांपत्य का रिश्ता पति-पत्नी दोनों के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए इस रिश्ते का मधुर और मजबूत होना बहुत जरूरी है। फिल्म-टीवी की अभिनेत्रियां बता रही हैं करवा चौथ का पर्व उनके दांपत्य जीवन में क्या मायने रखता है, वे इस पर्व को कैसे मनाती हैं, इस बार उनकी क्या तैयारी है?

यह अनोखा पर्व हमारे दांपत्य जीवन में मधुरता घोलता है: कियारा आडवाणी

अपनी शादी के बाद मैं हर वर्ष करवा चौथ पूजा पूरे विधि-विधान के साथ करती हूं, व्रत रखती हूं, अपने पति सिद्धार्थ की लंबी आयु और स्वस्थ जीवन की मंगल कामना करती हूं। इस साल भी मैं करवा चौथ व्रत रखूंगी। इसकी तैयारी मैंने अभी से शुरू कर दी है। इस बार मैं करवा चौथ के लिए स्पेशल ड्रेस या डिजाइनर साड़ी लेने वाली हूं। सिद्धार्थ के लिए भी खूबसूरत कुर्ता-पजामा खरीदूंगी। हर साल मैं करवा चौथ पर स्पेशल मेहंदी लगवाती हूं, जिसमें सिद्धार्थ के नाम का पहला अक्षर मेरे हाथ पर लिखा होता है। इस बार भी मैं ऐसी ही मेहंदी लगाने वाली हूं। रोजमर्रा की जिंदगी में मैं लाइट कलर के ड्रेस पहनना पसंद करती हूं, लेकिन करवा चौथ पर मुझे डार्क कलर पहनना पसंद है, जैसे रेड, मैरून, डार्क पिंक। पिछले साल मैंने ससुराल में करवा चौथ मनाया था, जो मेरे लिए बहुत यादगार रहा। ससुराल में करवा चौथ पर सिर्फ सिद्धार्थ ही नहीं, मेरी सासू मां और पूरा परिवार मेरा बहुत ध्यान रख रहा था। मेरी सास ने मुझे करवा चौथ की सुबह सरगी दी, जो मैंने सुबह-सुबह चार बजे खाई। इसके बाद बिना कुछ खाए-पिए करवा चौथ का व्रत रखा। रात को चांद देखकर मैंने अपना करवा चौथ का व्रत सिद्धार्थ के हाथों पानी पीकर खोला। इसके बाद हम दोनों लोग ड्राइव पर गए। सिद्धार्थ ने मुझे सरप्राइज गिफ्ट दिया, जो एक खूबसूरत मोबाइल था। करवा चौथ का व्रत मेरे लिए इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि हर करवा चौथ पर हमारा रिश्ता और मजबूत होता है। यह बहुत अनोखा पर्व है, हमारे दांपत्य जीवन में मधुरता घोलता है।

स्त्री का सुहाग उसके जीवन का एक वरदान है: भारती सिंह

जब मैं बहुत छोटी थी, शादी-शुदा महिलाओं को करवा चौथ व्रत रखते देखती थी। उनका सजना-संवरना मिलकर करवा चौथ की पूजा करना, चांद देखकर अपने पति के हाथों जल पीकर व्रत तोड़ना, ये सब मुझे बहुत भाता था। मैं सोचती थी, जब मैं बड़ी होऊंगी, शादी करूंगी तो इन महिलाओं की तरह मैं भी अपने पति के लिए ऐसे ही सज-धज कर करवा चौथ की पूजा करूंगी। उस वक्त मुझे यह नहीं पता था कि करवा चौथ का व्रत भूखे-प्यासे रहकर करना पड़ता है। शादी के बाद जब मैंने पहली बार करवा चौथ का व्रत रखा, उस वक्त पूरा दिन भूखा-प्यासा रहकर मेरी हालत बहुत पतली हो गई थी। लेकिन रात को जब चांद देखकर व्रत तोड़ा, तो एक अलग ही सुकून मिला। इसके बाद हर साल मैं पूरे दिल से करवा चौथ का व्रत रखती हूं। मेरा मानना है स्त्री का सुहाग उसके जीवन का एक वरदान है। इस बात का एहसास मुझे उस वक्त हुआ, जब मेरी लाइफ में हर्ष की एंट्री हुई। हर्ष ने मुझे इतना प्यार दिया, इतनी खुशी दी कि मैं उनके बिना जीने की कल्पना भी नहीं कर सकती। करवा चौथ के दिन मैं सुबह चार बजे उठकर सास द्वारा दी गई सरगी खाती हूं। पूरा दिन सजने-संवरने में जुटी रहती हूं, हाथों में मेहंदी से लेकर पैरों में पायल, ज्वेलरी, मेकअप, हेयर स्टाइल सब कुछ पूरे दिन चलता रहता है। इस दिन हर्ष मेरी हर बात मानते हैं, मेरे नखरे उठाते हैं। हर साल वह मेरे लिए कोई ना कोई खूबसूरत गिफ्ट लेकर जरूर आते हैं। इस बार भी मैं धूमधाम से करवा चौथ मनाऊंगी। करवा चौथ की फोटोज और वीडियो भी आप लोगों के साथ शेयर करूंगी।

मेकअप

सरिता गुप्ता

ग्लिटरी-ब्राइट मेकअप से निखर उठेगी खूबसूरती

विवाहित महिलाओं का सबसे बड़ा त्योहार करवा चौथ को माना जाता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए निर्जल व्रत रखती हैं। इस अवसर पर बड़े चाव से सजती-संवरती भी हैं। सुंदर सी साड़ी, लहंगा, मैचिंग ज्वेलरी कैरी करती हैं, मेहंदी, महावर भी लगाती हैं। इसके साथ ही, पूजा करने के लिए वे अच्छे से मेकअप भी करना चाहती हैं। इस ऑकेजन पर आपका मेकअप स्पेशल होना चाहिए। इसीलिए यहां हम आपको बता रहे हैं ग्लिटरी-ब्राइट मेकअप के स्टेप्स।

मॉयश्चराइजर: मेकअप शुरू करने के पहले स्टेप में फेस पर मॉयश्चराइजर लगाएं। इससे चेहरे पर मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है। मॉयश्चराइजर लगाने के 10 मिनट बाद बेस लगाना सही रहता है।

कंसीलर: अगर आपके चेहरे पर दाग-धब्बे हैं और आप उन्हें छुपाना चाहती हैं तो कंसीलर का यूज जरूर करें। साथ ही चेहरे पर चमक लाने के लिए आप प्राइमर का यूज कंसीलर से पहले करें।

फाउंडेशन या बेस: फाउंडेशन या बेस खरीदते समय अपनी स्किन टोन से मैचिंग जरूर कर लें। साथ ही ऐसे फाउंडेशन का सेलेक्शन करें, जो लॉन्ग-लास्टिंग हो ताकि आपका मेकअप लंबे समय तक बरकरार रहे। स्किन टोन से मैचिंग बेस को अच्छे तरीके से ब्लेंड करें। इससे फेस पर नेचुरल ग्लो आता है।

अप्लाई करें ब्लशर: बेस लगाने के बाद गालों पर हल्का-सा ब्लशर अप्लाई करें ताकि चेहरे पर ग्लो दिखाई दे।

आइज मेकअप: फेस मेकअप के बाद आइज मेकअप की बारी आती है। आंखों को सुंदर दिखाने के लिए आप अपनी ड्रेस से मैच करता हुआ लाइट ब्राउन या लाइट ग्रे कलर का आईशैडो लगा सकती हैं। आंखों का मेकअप हाईलाइट करने के लिए आप हल्की ग्लिटर वाली या शिमरी आईशैडो का यूज भी कर सकती हैं।

मस्कारा: मस्कारा लगाने से आपकी पलकें घनी और लंबी दिखाई देती हैं। आंखों पर मस्कारा का एक कोट लगाना काफी है। एक से अधिक कोट ना लगाएं।

आई लाइनर: आंखों के मेकअप को क्लीन दिखाने के लिए पतला आई लाइनर लगाएं। अगर अपने मेकअप को स्पेशल फेस्टिव टच देना चाहती हैं तो आप लाइट ब्राउन या ब्लू कलर का आई लाइनर चुन सकती हैं।

लिपस्टिक: मेकअप को कंप्लीट लुक देने के लिए लिपस्टिक का सही शेड चुनना बहुत जरूरी है। गलत शेड आपके मेकअप का लुक बिगाड़ सकता है। ध्यान रखें कि अगर आपने आइज मेकअप डार्क किया है तो लिपस्टिक लाइट लगाएं। होंठों को ड्राई होने से बचाने के लिए पहले लिप बाम लगाएं।

(ब्यूटी एक्सपर्ट आरती सिन्हा से बातचीत पर आधारित)

पर्व संदेश

सरस्वती रमेश

हमारे हर पर्व के पीछे कोई ना कोई बड़ा उद्देश्य होता है, उसके संदेश होते हैं। करवा चौथ भी ऐसा ही एक पर्व है। करवा चौथ पति-पत्नी के संबंध मधुर और मजबूत बनाने के साथ पूरे परिवार को आपस में जोड़ता है।

करवा चौथ के अवसर पर बनें प्यार-परंपरा के साक्षी

दांपत्य, एक अनूठा रिश्ता है, ऐसा रिश्ता जो एक ही रिश्ते में अनेक रिश्तों को समाहित किए है। जीवनसाथी सिर्फ पति-पत्नी के बंधन में नहीं बंधे होते, उनका रिश्ता साथ, विश्वास और सहयोग का होता है। दांपत्य का रिश्ता उस नाजुक बेल की तरह होता है, जो एक-दूसरे के सहारे से आगे बढ़ती है। कभी-कभी इस नाजुक बेल की मजबूती के लिए कुछ खास भी करना पड़ता है। वही खास अवसर है-करवा चौथ का पर्व। इस अवसर पर दांपत्य के रिश्ते को हरा-भरा और पुष्पित करने के लिए पत्नी अपने प्रेम का जल, भरोसे की खाद और समर्पण की धूप देती है। यह रिश्ता हमेशा खिला-खिला रहे, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, जैसे-

साथ का अहसास: करवा चौथ पर सुहागन स्त्रियां व्रत रखती हैं, लेकिन उनके लिए यह सिर्फ एक व्रत मात्र नहीं है, इस दिन वे मेहंदी, महावर, कुमकुम, मांग-टीका और तन के सारे श्रृंगार कर, दांपत्य जीवन का भी श्रृंगार करती हैं। व्रत के साथ यह सदिच्छा भी जुड़ी होती है, यह अहसास भी कि हर उम्र में, हर मोड़ पर दांपत्य की बगिया अपने सुंदरतम रूप में खिली रहे। यहां यह भी ध्यान देने वाली बात है, स्त्री का यह सुंदर स्वप्न तभी पूरा होगा, जब उसे अपने जीवनसाथी का भरपूर प्यार और साथ मिले। करवा चौथ इस साथ के अहसास को और गहरा करता है।

रिश्ते में हो त्याग की भावना: जैसा कि हम सब जानते हैं, करवा चौथ पर स्त्री अन्न-जल त्याग कर पति की लंबी आयु की प्रार्थना करती है। दांपत्य के रिश्ते को हमेशा सजीव और मधुर रखने के लिए हमें इसी तरह के त्याग की जरूरत होती है। जब रिश्ते में त्याग का भाव निहित हो, तभी दांपत्य की खुशहाली संभव है।

पति भी रखे ख्याल: जिस तरह किसी त्योहार का पारंपरिक और सांस्कृतिक पक्ष होता है, उसी तरह उसका व्यावहारिक पक्ष भी होता है। करवा चौथ का भी व्यावहारिक पक्ष है, यह विवाह के वक्त किए गए वचनों को आगे बढ़ाने और व्यावहारिक रूप से उन्हें जीवन में अपनाने के लिए इंगित करता है। यदि पति की लंबी आयु की कामना से पत्नी कठिन व्रत रख सकती है, तो पति को भी उसकी सेहत और मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए।

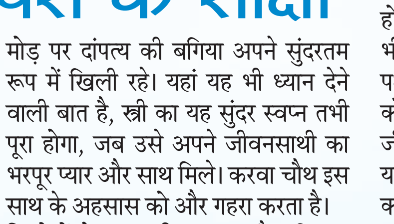

पूरे परिवार का उत्सव

करवा चौथ पूरे परिवार का उत्सव है। भले ही इसका पालन घर की स्त्रियों द्वारा होता है, लेकिन जब तक परिवार का प्रत्येक सदस्य इसमें शामिल न हो, तब तक इस त्योहार को मनाने का अर्थ परिपूर्ण नहीं होता। करवा चौथ का पर्व परिवार के लोगों को आपस में जोड़ता है, हंसी-मजाक और आत्मीयता के नए अवसर सुलभ करता है। सारी स्त्रियां मिलकर मेहंदी लगाती हैं, श्रृंगार करती हैं, गीत गाती हैं, दिल खोलकर हंसती हैं। घर में पकवान बनते हैं, बच्चे खुश होकर घर में डोलते हैं। यही तो त्योहारों को मनाने का उद्देश्य है कि हर ओर उमंग-उल्लास फैले, रंग और उजास फैले।

बीके कॉलेज बवानीखेड़ा में मनाई वाल्मीकि जयंती

बवानीखेड़ा। बी.के. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बवानीखेड़ा, भिवानी में महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का विषय था "महर्षि वाल्मीकि की शिक्षा प्रणाली", जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को महर्षि वाल्मीकि के जीवन, शिक्षण सिद्धांतों और समाज सुधार में उनके योगदान से अवगत कराया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रविन्द्र राठी ने की, वहीं कॉलेज के मैनेजिंग डायरेक्टर योगेश शर्मा ने विशेष रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। योगेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन ज्ञान, समानता और मानवता का प्रतीक है, जिनकी शिक्षाएँ आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। डॉ. रविन्द्र राठी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने शिक्षा के माध्यम से समाज में नैतिकता, करुणा और सत्य के मूल्यों को स्थापित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएँ। इस अवसर पर डॉ. अंकित गोयल, डॉ. साक्षी, डॉ. शर्मिला, सुश्री हर्ष, सुश्री श्वेता भारद्वाज एवं सुश्री कपिला वशिष्ठ आदि रहे।

छुट्टी वाले दिन स्कूल खुला मिला तो चलेगी मान्यता पर कैंची

- राजपत्रित अवकाश व दूसरे शनिवार को क्लास न लगाने की दी नसीहत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

अब छुट्टी वाले दिन सरकारी व गैर सरकारी स्कूल खोलने व क्लासें लगाने वालों की खैर नहीं। अगर किसी सरकारी या गैर सरकारी स्कूल संचालक ने राजपत्रित अवकाश या महीने के दूसरे शनिवार को स्कूल खोला तो उन पर कार्यवाही तय है। सरकारी स्कूलों के मुखियाओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए मुख्यालय शिकायत भेजी जाएगी और निजी स्कूल की मान्यता पर कैची चलेगी। इनके अलावा भविष्य में जितने भी राजपत्रित अवकाश होंगे। उन सभी दिनों में निजी व सरकारी स्कूल बंद रहेंगे। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए है कि हर माह के दूसरे शनिवार को भी सभी स्कूल बंद रखे जाए। इस मामले में किसी तरह की कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए। चूंकि विगत में देखने को मिला है कि कई स्कूल संचालक जानकारी का अभाव या अन्य कोई कारण बताकर स्कूलों में क्लासें लगाते रहे है। बच्चों की पढ़ाई भी करवाई जाती है। जो कि सरासर गलत है। सरकारी नियमों को ठेंगा दिखाकर स्कूलों में क्लासें लगाई गई मिली थी।

पत्र भेजा

शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूल संचालकों व मुखियाओं को पत्र भेजकर सूचित कर दिया है। शिक्षा विभाग ने सभी स्कूल मुखियाओं को भेजे निर्देशों में कहा है कि 7 को को महर्षि वाल्मीकि जयंती है और इस दिन अवकाश रहेगा।

उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

शिक्षा विभाग न कहा, अब अगर इस तरह की कोई व्यवस्था पाई जाती है तो निजी स्कूल की मान्यता को रद्द करवाए जाने की कार्रवाई के लिए मुख्यालय सूचना भेजी जाएगी। साथ ही जो सरकारी स्कूल छुट्टी के दिन बिना किसी अनुमति के क्लासें लगाए हुए मिलता है तो उनकी मुख्यालय पर कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा। अगर कोई कार्रवाई होती है, तो उसके लिए स्कूल मुखिया जिम्मेदार होंगे।

खबर संक्षेप

लोहारू में 12 एमएम से अधिक बरसात

लोहारू। बीती सांय मौसम में आए परिवर्तन के साथ ही सोमवार को लोहारू शहर और आस पास के इलाके में दोपहर बाद झमाझम बरसात हुई। पूरे दिन भर आसमान में घने काले बादल छाय रहे तथा रुक रुककर कई बार बरसात हुई। सोमवार को करीब 12 एमएम बरसात दर्ज की गई है। इस बरसात के कारण अधिकतम तापमान में करीब चार से पांच डिग्री की गिरावट दर्ज होने से वातावरण में ठंड का अहसास बढ़ गया।

महाराजा अजमीढ़ का जयंती महोत्सव आज

भिवानी। महाराजा अजमीढ़ की जयंती का महोत्सव 7 अक्टूबर को भिवानी में बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। इस समारोह का आयोजन श्री क्षत्रिय स्वर्णकार समाज द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के सभी वर्गों के लोग उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। यह महोत्सव ना केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि यह एकजुट करने और अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने का भी एक महत्वपूर्ण अवसर है।

महर्षि वाल्मीकि महान संत थे : सैनी

चरखी दादरी। नगर परिषद चेयरमैन बख्शीराम सैनी ने कहा कि प्रत्येक वो महापुरूष व संत हमारे आदर व सम्मान के पात्र है जिन्होंने भारतीय समाज को एक नई दिशा दिखाने में अपना योगदान दिया। जिन्होंने अपना ताजीवन समाज कल्याण के लिए समर्पित किया। महर्षि वाल्मीकि ऐसे ही एक महान संत थे, जिनके आदर्शों के चलते समाज का बड़ा वर्ग आज भी उनको भगवान के समतुल्य दर्जा देता है।

सिंचाई एवं बाल विकास मंत्री ने सुनीं शिकायतें

तोशाम। सिंचाई एवं महिला बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी के दिशा-निर्देश पर तोशाम क्षेत्र के विभिन्न गांव में अनेक विभागों के विभिन्न अधिकारियों की मौजूदगी में जन संवाद किया तथा आमजन की समस्याओं का निदान किया।

लोहारू में वाल्मीकि जयंती पर कार्यक्रम आज

लोहारू। 7 अक्टूबर को शहर के महर्षि वाल्मीकि मंदिर परिसर में महर्षि भगवान वाल्मीकि जयंती मनाई जाएगी। जिसमें प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री जेपी दलाल बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। यह जानकारी देते हुए एसडीएम मनोज दलाल ने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान हरियाणा सरकार द्वारा अंत्योदय कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

पानी की सप्लाई हुई बाधित ,सारी रात अभियान चलाकर चालू की बिजली

तेज अधंड़ ने तोड़ी बिजली के खंभों की कमर बाधित सप्लाई से 13 घंटे अंधेरे में रहा शहर

आंधी से खेतों में धान व कपास की फसल का बिछौना हो गया। वहीं पेड़ टूटने से बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। बारिश के बीच गंतव्य की ओर जाते वाहन चालक। फोटो : हरिभूमि

एकदम बदले मौसम के मिजाज ने हर किसी के लिए परेशानी खड़ी कर दी। हलकी बूंदाबांदी के साथ आए तेज अंधड़ ने पूरी व्यवस्था की कमर तोड़ दी। खेतों में धान व कपास की फसल का बिछौना हो गया। वहीं पेड़ों के टूटकर बिजली की लाइन पर गिरने से पूरी तरह से बिजली की सप्लाई की कमर टूट गई। बवानीखेड़ा के इलाके में करीब 13 घंटे के बाद लोगों को बिजली के दर्शन हुए। हालांकि पूरी रात बिजली कर्मचारी सप्लाई चालू करने में जुटे रहे,लेकिन अनेक जगहों पर पोल टूटने तथा अनेक जगहों पर लौहे के पोल टेढे होने की वजह से बिजली की सप्लाई करीब साढ़े दस बजे तक चालू हो पाई। सप्लाई चालू होने के बाद ही पानी की सप्लाई की व्यवस्था पटरी पर आई। बीती रात करीब नौ बजे के आसपास अचानक मौसम का मिजाज बदला और तेज आंधी आ गई। साथ में शुरू में तो हलकी बूंदाबांदी,लेकिन कुछ देर बाद तेज बारिश शुरू हो गई। तेज अधड़ की वजह से पेड़ टूट कर सड़कों पर आ गिरे। कई जगहों पर हरे पेड़ टूट कर बिजली की लाइनों पर गिर गए। जिसके चलते बिजली की सप्लाई का एकदम कट लग गया। उसके बाद बिजली कर्मचारियों की टीम बारिश में ही फाल्ट को ढूंढने निकल गई।

टूटे पेड़ों ने रोका वाहनों का रास्ता

तेज अंधड़ की वजह से अनेक जगहो पर हरे पेड़ टूट कर आ गिरे। जिस वजह से सड़कों पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया। गांव सिकंदरपुर में सड़क पर गिरे पेड़ों की वजह से जाम की स्थिति बन गई। यही स्थिति गांव मिलकपुर में बनी रही। वहां पर पेड़ों के गिरने से जाम लग गया और उसके बाद वाहनों को तोशाम बाईपास से होकर निकाला गया। सुबह जब प्रशासन ने जब सड़क पर गिरे पेड़ों को हटवाया तो वाहनों का आवागमन शुरू हो पाया। रास्ता खुलने के बाद ही लोगों व वाहन चालकों ने राहत की सांस ली।

बिजली के तारों पर गिरीं पेड़ों की टहनियां

एक दो जगहों पर लौहे के पोल के साथ बिजली की तारें छूने की वजह से बिजली का ऑटो कट लग गया था। बिजली कर्मचारियों की टीम ने उन सभी टेढे हुए पोल को सीधा किया और जहां जहां पर बिजली के तारों पर हरी टहनियां गिरी हुई थी। उनको हटवाकर आज करीब दस बजे बिजली की सप्लाई चालू करवाई गई। बिजली की सप्लाई चालू होने के बाद ही कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। सारी रात एसडीओ राजेंद्र की अगुवाई में कनिष्ठ अभियंता अजय, नरेंद्र, नीशु, विनोद ओला व फोरमैन विजय की टीम फिल्ड में रही और बिजली की सप्लाई चालू करवाए जाने के बाद ही वे कार्यालय में पहुंचे।

तेज अंधड़ ने किसानों के अरमानों पर फेरा पानी, उखाड़ी सोलर प्लेटें

- अचानक हुई बारिश व आंधी से किसानों को हुआ काफी नुकसान

भिवानी। तेज अंधड़ की वजह से टेढ़े हुए बिजली के पोल।

क्षेत्र के गांव मुंढाल में बीती रात्रि आई तेज आंधी ने किसानों के अरमानों पर पानी फेर दिया वहीं दूसरी ओर किसानों ने अपनी फसलों के लिए खेतों में फसलों की सिंचाई के लिए प्रयोग किए गए नलकूपों के लिए लगाए गए सौर ऊर्जा की प्लेट उखाड़ कर दूर-दूर तक फेंक दिए। वहीं दूसरी ओर तेज हवा नहीं उग्र रूप धारण कर लिया जिसके चलते किसानों को लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। जानकारी अनुसार पश्चिमी विश्व के कारण अचानक क्षेत्र में आई बरसात के साथ तेज हवा ने तूफान का रूप ले लिया तथा जिसके चलते किसानों ने अपनी फसलों में सिंचाई करने के लिए नलकूपों के लिए लगाई गई सौर ऊर्जा की प्लेट जिनको हवा ने नहीं बक्शा तथा उन्हें उखाड़ कर बहुत दूर-दूर तक फेंक दिया जिसके चलते किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। वही किसानों दीपक, रोहतास, संदीप, विकास, सत्यवान आदि ने बताया कि उन्होंने अपने खेतों में फसलों में सिंचाई के लिए सौर ऊर्जा की प्लेटें लगाई हुई थी तथा बीती रात्रि अचानक आई तेज हवा ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। उसके चलते उन्हें लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा।

फसले हुई चौपट

बरसात व तेज हवा के चलते हैं उनकी फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। किसानों ने बताया कि उन्होंने अपनी फसलों में तथा सौर ऊर्जा के प्लाटों के हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकार से सहायता की मांग भी की है।

लोककला उत्सव में हरियाणवी गानों से बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। शाही लकड़हारा हरियाणवी सांग का मंचन करते कलाकार।

उठो ए सखी लागो राम के भजन मै, मूरख रोवैगा सिर धुण के पाछै पछतावैगा मंगलाचरण से पंडित विष्णुदत्त सांगी व उनके बेड़े ने लोककला उत्सव के दूसरे दिन का शुभारंभ किया। सूर्यकवि दादा लख्मीचंद के सुपौत्र विष्णुदत्त एवं 17 सदस्यीय दल ने जाटीकलां सोनीपत से पधारकर शाही लकड़हारा हरियाणवी सांग का प्रभावशाली मंचन कर सांस्कृतिक सदन सभागार में उपस्थितजन को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक वाद्यों के नगाड़ा, ढोलक, कलारनेट व हारमोनियम आदि के समन्वय ने गजब ढाह दिया। पुरुषों द्वारा महिला का वेश धारण कर अभिनय तथा स्पंदन करने वाली संगीत लहरी से सभागार गूंज उठा। लोककला उत्सव के द्वितीय दिवस का उद्घाटन डॉ. कुलदीप सूद, दिल्ली से पहुंचे उद्योगपति सीएल अग्रवाल, प्रकाश लुहारीवाला, आनंद गोयल दिनोदिया, मंच के संरक्षक डॉ. धर्मवीर ढिल्लो, अध्यक्ष प्रोफेसर नीता चावला व सांगी विष्णुदत्त ने संयुक्त रूप से भगवान गणेशजी की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्वलित करके किया। मां सरस्वती, गुरु, गौमाता, पिता, गंगा माई की आराधना से सांग की शुरुआत की गई।

कलाकारों को सराहा

विष्णुदत्त कौशिक व उनके बेड़े के मंजे हुए कलाकारों ने देश विदेश में सांग का मंचन करके हरियाणा के गौरव तथा दादा लख्मीचंद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। मात पिता ही जनम दे कै आपणे होवै सै और कोई ना महारा साथी,जो सतगुरु नै परख लिया वो खोटा ना रहवैगा, सतगुरु ज्ञान विचार बिणा कोई बणता न सियाणा द्वारा आराधना की गई। मंच की प्रवक्ता डॉक्टर इंदु शर्मा ने बताया कि विष्णुदत्त ने सांग से पहले लोगों को शाही लकड़हारा सारांश से स्पष्टता आ गई। उन्होंने बताया कि जोधपुर में राजा जोधननाथ का राज था, उनकी रानी रूपाणी थी। दोनों में किसी विषय पर शर्त लग जाती कि जो हारेगा वो 12 वर्ष तक राज्य से बाहर जाएगा।

छात्रों को दिए करियर संबंधी टिप्स

- विद्यार्थियों को करियर काउंसिंग व इंटर्नशिप के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चरखी दादरी

भिवानी। अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते शिक्षक।

जनता महाविद्यालय में सोमवार को वाणिज्य विभाग द्वारा एक दिवसीय कैरियर काउंसिंग और इंटर्नशिप जागरूकता विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य संयोजक व वाणिज्य विभागाध्यक्ष डा. प्रीति गुप्ता ने कहा कि वाणिज्य विभाग का यही प्रयास रहता है कि जिन विद्यार्थियों की इच्छा बैंकिंग क्षेत्र में जाने की उनकी यथासंभव सहायता की जाए। जिसके लिए विभाग द्वारा समय समय पर ऐसे सेमिनार का आयोजन किया जाता है और बैंकिंग क्षेत्र में महारथ हासिल करने वाले वक्ताओं को विद्यार्थियों के करियर बनाने में सहायता करने के लिए बुलाया जाता है। उन्होंने बताया कि सोमवार को आयोजित सेमिनार में बतौर मुख्य वक्ता रिटायर्ड बैंकर आरसी पूनिया को आमंत्रित किया गया है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डा. ममता यादव व प्रो. पवन कुमान ने भी अपने विचार साझा करते हुए बैंकिंग कार्य प्रणाली और बैंकिंग संरचना से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। विद्यार्थियों में योगेश, कार्तिक, पवन, साहिल, शुभम, टीना, दिव्यांशी, राखी, जिज्ञासा आदि मौजूद रही।

स्वर्णिम भविष्य के लिए प्लास्टिक का बहिष्कार करना बेहद जरुरी

- महाविद्यालय को साफ- सुथरा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बाढड़ा

राजकीय महिला महाविद्यालय बाढड़ा की एनएसएस यूनिट प्रथम तथा द्वितीय द्वारा सोमवार को एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यप्रभारी डा. परमजीत सिंह की अध्यक्षता में व एनएसएस प्रभारी प्रोफेसर मीना तथा डॉ मुकेश कुमार के मार्गदर्शन में शिविर का शुभारंभ स्वयंसेविकाओं द्वारा एनएसएस के लक्ष्य गीत गाकर किया गया। इस एक दिवसीय शिविर का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय को पॉलिथीन तथा प्लास्टिक मुक्त बनाना था। कार्यक्रम अधिकारी मीना ने स्वयंसेविकाओं के अलग -अलग समूह बनाकर महाविद्यालय को साफ- सुथरा व स्वच्छ बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम अधिकारी डा. मुकेश कुमार ने स्वयंसेविकाओं से अपील की कि वे गांव व समाज के लोगों को पॉलिथीन की बजाय कपड़े व जूट के बैग इस्तेमाल करने के लिए जागरूक करेंगी।

राष्ट्रीय स्वयं सेवकों ने मनाया शताब्दी वर्ष

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बवानी खेड़ा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विजयदशमी उत्सव एवं शताब्दी वर्ष (100 वां स्थापना दिवस) हर्षोल्लास व उत्साह बवानी खेड़ा एवं जमालपुर में मनाया। इसमें करीब 150 स्वयंसेवको ने पूर्ण गणवेष में भाग लिया। कार्यक्रम में स्वयंसेवको के अलावा करीब 100 नागरिक भी शामिल हुए। बवानी खेड़ा में कार्यक्रम की अध्यक्षता बाबा गुमानदास जी महाराज दादू पंथी ने की, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विक्रम कोच एवं मुख्य वक्ता जितेंद्र जी विभाग प्रचारक रहे।

बवानीखेडा। गांव जमालपुर में शताब्दी वर्ष मनाते हुए संघ के सदस्य।

100 से अधिक स्वयंसेवको ने गणवेष में भाग लिया

इसके अलावा सुबह शताब्दी वर्ष कार्यक्रम जमालपुर मंडल में भी हुआ। जिसमे भी 100 से अधिक स्वयंसेवको ने गणवेष में भाग लिया एवं 50 से अधिक नागरिको ने कार्यक्रम में रहें। मुख्यवक्ता जितेंद्र ने बताया कि विजयादशमी हमें यह संदेश देती है कि शक्ति तभी सार्थक है जब उसका प्रयोग धर्म, समाज और राष्ट्र रक्षा के लिए हो। असत्य और अधर्म कितना भी बलवान क्यों न हो, अंततः विजय सत्य की ही होती है। उन्होंने 1925 से अभी तक संघ की यात्रा एवं संघ द्वारा लिए गए पंच परिवर्तन स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता एवम कुटुम्ब प्रबोधन पर गंभीरता से अपने विचार रखे।

विद्यार्थियों ने प्रस्तुति के जरिए दिया अनेकता में एकता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बहल

बीआरसीएम शिक्षण समिति बहल के उच्च शिक्षण संस्थान इंजीनियरिंग कॉलेज, जीडीसी कॉलेज व लॉ कॉलेज द्वारा 'सांस्कृतिक उत्सव और पुरस्कार वितरण समारोह उड़ान.2025' संयुक्त रूप से मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न भाषाओं पर आधारित कार्यक्रम पेश कर अनेकता में एकता का संदेश दिया गया। संस्थान द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अव्वल विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में सीबीएलयू भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ती धर्माणी मुख्यातिथि रही जबकि अध्यक्षता संस्थान चेयरमैन हरिकृष्ण चौधरी ने की। निदेशक डॉ. एसके सिन्हा ने अतिथियों का परिचय दिया तथा उनका स्वागत किया। प्रो. धर्माणी ने कहा की हमारा देश विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर है।

पोस्टर मेकिंग में बारहवीं की वर्षा और स्लोगन लेखन में चिंकी रही प्रथम

- नशा नाश का द्वार, नशेड़ी व्यक्ति के साथ परिवार व रिश्तेदार तक झेलते अपमान : प्राचार्या सीमा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवान। प्रदर्शनी का अवलोकन करती प्राचार्या सीमा कुमार, लक्ष्मण गौड़ व अन्य।

गांव दिनोद स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में नशामुक्त हरियाणा-स्वस्थ हरियाणा विषय पर संगोष्ठी, पोस्टर व स्लोगन लेखन प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता प्राचार्या सीमा कुमारी, सुरेन्द्र सिंह व ममता पालीवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री अवार्डी मास्टर लक्ष्मण गौड़ ने की। श्लोगन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता कला प्रवक्ता मुकेश कुमारी व सुनीता श्योराण के नेतृत्व में हुई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्राचार्या सीमा कुमारी ने कहा कि आज युवाओं में नशे की प्रवृति खतरनाक तरीके से बढ़ती जा रही है।

नशे से दूर रहने की सलाह

उन्होंने कहा कि युवावर्ग शुरूआत में हुक्का, बीड़ी, सिगरेट व शराब को शौकिया कहकर अपना लेते हैं और उसके बाद धीरे धीरे वे उसके आदि हो जाते हैं। पोस्टर मेकिंग में कक्षा 12वीं की छात्रा वर्षा ने प्रथम, ज्योति ने द्वितीय व कक्षा दसवीं की छात्रा राधिका ने तृतीय स्थान हासिल किया। श्लोगन लेखन प्रतियोगिता में चिंकी ने प्रथम, दिव्या ने द्वितीय व निशा ने तृतीय स्थान जीता।

श्रीराम के राज्याभिषेक प्रसंग में साध्वी करुणागिरी ने दिया मर्यादा व सेवा का संदेश

हनुमान के जीवन से प्रेरणा लेकर नशे से दूर रहना चाहिए: साध्वी

सीता प्रसंग पर कहा कि नारी शक्ति विज्ञान के जरिए आसमान को छू रही हैं: साध्वी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। हाथ उठाकर श्रीराम के जीवन से शिक्षा लेकर चलने का आहवान करते श्रद्धालु।

हालवास गेट स्थित लिटिल हार्ट्स पब्लिक स्कूल के सभागार में चल रहे संगीतमयी श्रीराम कथा महायज्ञ का नवां और अंतिम दिवस भक्तिमय एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। कथा व्यास श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर बाल योगिनी संत शिरोमणि साध्वी करुणागिरी महाराज ने भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान सभागार में भक्ति रस का संचार हो गया और श्रद्धालु "जय श्रीराम" के उद्घोषों से गूंज उठे। इस अवसर पर जोगीवाला शिव मंदिर धाम से महंत वेदनाथ महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सीता माता, लक्ष्मण और हनुमान की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हनुमान में अपार शक्ति थी, जो समुद्र पार कर सकते थे, लेकिन उन्होंने सदैव विनम्रता और सेवा भाव बनाए रखा। आज के युवाओं को हनुमान के जीवन से प्रेरणा लेकर नशे से दूर रहना चाहिए, क्योंकि जिनकी रगों में नशे का जहर दौड़ता है, वे समाज की सच्ची सेवा नहीं कर सकते। साध्वी करुणागिरी महाराज ने कहा कि आज नारी शक्ति विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आसमान छू रही है। हमें समाज में बेटा-बेटी में कोई भेदभाव नहीं रखना चाहिए। उन्होंने रावण दरबार की एक महिला चौकीदार का उदाहरण देते हुए कहा कि तब भी नारी को महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता था, इसलिए आज हमें स्त्री सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में महंत वेदनाथ महाराज, विधायक घनश्याम सर्राफ व उनकी धर्मपत्नी प्रेमलता सर्राफ, कथा आयोजक प्रधान त्रिलोक चंद गोयल, रमेश हेतमपुरिया, उप-प्रधान आनन्द प्रकाश गोयल, महासचिव संजय गोयल व सीमा गोयल, एमडी पवन गोयल व भावना गोयल, चौ. बन्सीलाल विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार भावना शर्मा, अणुव्रत समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट सुरेंद्र जैन, प्रदेश अध्यक्ष रमेश बंसल, रामदेव तायल, प्रेम प्रकाश, धीरज सैनी, अश्विनी शर्मा, संदीप अग्रवाल मुन्ना चिन्नीवाला, नरेश मीनू अग्रवाल, समाजसेवी सुरेंद्र लोहिया, दीपक जोशी, अजय बंसल, सतीश गोयल, वेद प्रकाश, दीपक बंसल, तेजभूषण शास्त्री, रवि कुमार गोयल, निदेशक ऐश्वर्या रामानंद सिंघल, राहुल गोयल, मुस्कान गोयल, विनय गोयल, नलिनि गोयल, निश्चल व साक्षी गोयल, पुष्पा बंसल, निमिषा सकसेरिया, मेघा जैन, राशी बंसल सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

भगवान श्रीराम के आदर्श से लें प्रेरणा

साध्वी करुणागिरी ने भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा, निष्ठा, कर्तव्यपरायणता और सेवाभाव को समाज के लिए अनुकरणीय बताया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने एक आदर्श राजा, पुत्र, भाई और पति के रूप में जीवन के हर क्षेत्र में मर्यादाओं का पालन किया। समाज को भी उनसे प्रेरणा लेकर सत्य, न्याय और सेवा के मार्ग पर चलना चाहिए।

बाजरा एमएसपी पर खरीदने व पर्याप्त खाद-बीज उपलब्ध कराने की मांग, लघु सचिवालय में प्रदर्शन कर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भावांतर योजना एक छलावा है, रद्द करो की मांगों के साथ विरोध प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। प्रदर्शन करते संगठन के सदस्य व किसान तथा एसडीएम अनिरुद्ध यादव को ज्ञापन सौंपते संगठन सदस्य। फोटो: हरिभूमि

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बाजरा खरीद व रबी फसलों की बिजाई के लिए पर्याप्त खाद बीज उपलब्ध कराने की मांग को लेकर सोमवार को लघु सचिवालय में विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम अनिरुद्ध यादव को सौंपा। इस अवसर पर किसानों ने एमएसपी पर बाजरा खरीद चालू करो, बाजरे के 2775 रुपये प्रति क्विंटल दाम दो, दाना दाना खरीदने का वादा पूरा करो, भावांतर योजना एक छलावा है, जिसे रद्द करो की मांगों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बाजरा इस इलाके की मुख्य फसल है।

सरकार की बाजरा खरीद की घोषणा को आज 14 दिन हो गए हैं, लेकिन नारनौल सहित जिला की किसी भी अनाज मंडियों में सरकार ने एमएसपी पर बाजरा का एक दाना भी नहीं खरीदा। इससे साफ जाहिर है कि सरकार की मंशा एमएसपी पर बाजरा खरीद की नहीं है। सरकार का दावा किसानों की फसलों का एक एक दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद जाएगा, जो खोखला साबित हुआ है। इस इलाके की मुख्य फसल बाजरा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदा जाने पर किसानों को बाजरा की फसल औने पौने दामों में बेचनी पड़ी रही है। जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

सरकार की भावांतर योजना मंडियों को खत्म करने की योजना

वक्ताओं ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य की बजाय भावांतर भरपाई योजना किसानों के साथ छलावा है तथा सरकार की भावांतर योजना मंडियों को खत्म करने की योजना है। सरकार की अनावश्यक शर्तों के कारण किसानों को भावांतर योजना से भी वंचित रह जाएंगे। मार्केट कमेटी व खरीद कर्ताओं का कहना कि बाजरा के रंग के कारण एजेंसियां खरीद नहीं रही। किसानों ने कहा कि बाजरा किसान के खेत में पैदा हुआ है। इसमें किसानों का क्या दोष है। सरकार का एक एक दाना एमएसपी पर खरीद का दावा न सिर्फ हकीकत से कोसों दूर है, बल्कि खोखला साबित हुआ है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि इस इलाके की मुख्य फसल बाजरा की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर जिले की सभी अनाज मंडियों में तत्काल सरकारी खरीद सुनिश्चित की जाए तथा रबी फसलों के लिए पर्याप्त खाद बीज उपलब्ध कराया जाए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एआईकेकेएमएस जिला प्रधान बलबीर सिंह, जिला सचिव डॉ. व्रतपाल सिंह, कामरेड अभय सिंह चन्दपुरा, रामस्वरूप नम्बरदार, शेरसिंह बसीरपुर, हंसराज गणियार, महीपाल सिंह पूर्व सरपंच, छाजूराम रावत, रामकुमार, सीताराम, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खरब, सुबेसिंह चन्दपुरा, अमर सिंह चन्दपुरा, मास्टर सुबेसिंह, सतीश कुमार, रोहतास नम्बरदार आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

विजय इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने मचाया धमाल

महेंद्रगढ़। विजय इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने हाल ही में ठाकरान की ढाणी एंड फार्म्स में शैक्षणिक भ्रमण किया। इस यात्रा ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आंखों में चमक ला दी। बच्चों ने फार्म्स की प्राकृतिक सुंदरता व गांव के रहन सहन के बारे में जानकारी ली, उन्होंने देखा कि कैसे किसान खेतों में काम करते हैं और फसलें उगाते हैं। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने बताया कि इस भ्रमण ने बच्चों को किताबी ज्ञान से परे जाकर व्यावहारिक अनुभव प्रदान किए। प्रधानाचार्य नत्थूसिंह, सचिव महेंद्र सिंह और शिक्षकों ने बच्चों का मार्गदर्शन किया और उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया।

सिंघानिया विवि ने पैरा रग्बी टीम का किया अभिनंदन

नारनौल। सिंघानिया विवि परिसर में राजस्थान पैरा रग्बी टीम का स्वागत किया गया, जिसने हाल ही में राष्ट्रीय पैरा रग्बी चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता (रनर-अप) का स्थान हासिल किया। यह प्रतियोगिता तीन से पांच अक्टूबर तक सीडीएस ग्वालियर मध्यप्रदेश में आयोजित की गई थी। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में लगातार जीत दर्ज कर फाइनल तक का सफर तय किया। फाइनल में ओडिशा टीम से मुकाबले में राजस्थान टीम उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए रनर-अप का खिताब जीता। इससे पहले 13 से 15 सितंबर तक राजस्थान पैरा रग्बी स्टेट ट्रॉयल चैम्पियनशिप भी सिंघानिया विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की गई थी।

पहले रिमझिम और दोपहर बाद सवा तीन बजे हुई झमाझम बारिश

बरसात होने से किसानों में खुशी रबी बिजाई के अनुकूल बना मौसम

रबी फसल की बिजाई के लिए महेंद्रगढ़ समेत समूचे क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होगी बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। आईटीआई मार्ग पर भरा बरसात का पानी। फोटो: हरिभूमि

सोमवार सुबह से दिनभर होती रही रिमझिम बरसात एवं दोपहर बाद करीब सवा तीन बजे हुई झमाझम बरसात रबी फसल की बिजाई के लिए महेंद्रगढ़ समेत समूचे क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित हुई है। इस बारिश से किसानों में खुशी है तथा मौसम रबी की फसलों की बिजाई के लिए अनुकूल हो गया है। सोमवार को सुबह से हल्की बूंदाबांदी और फिर सवा तीन बजे अच्छी जोरदार बारिश ने फसल बिजाई के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा कर दी हैं। इससे जहां बाजारों में चहुंओर पानी भर गया, वहीं इससे किसानों को रबी फसल की बिजाई में पूरा-पूरा फायदा होने की प्रबल संभावना है। इस बारिश से रबी फसल का अबकी बार पिछले सालों की तुलना में क्षेत्रफल ज्यादा बढ़ने की संभावना प्रबल हो गई है। सरसों, गेहूं, जौ, चना जैसी फसलें इस बारिश से लाभान्वित होंगी।

वैसे तो गौर किया जाए तो अबकी बार मानसून सीजन की बरसात भी काफी लंबे समय तक चली थी। हालांकि जब मानसून की बरसात 26 अगस्त को थमी, उसके से मौसम तो बदला, लेकिन ऐसी बरसात नहीं हुई थी। इस दौरान मौसम अधिकांशतया साफ-सुथरा रहा और जिन किसानों को बाजरे की लावणी समय पर नहीं कर पाने की चिंता सता रही थी, उनकी परेशानियां काफी हद तक दूर हो गई थी। उसके बाद से करीब डेढ़ महीना के अंतराल उपरांत आज सोमवार को ही मौसम ने पलटी खाई है तथा पहले रिमझिम एवं बाद में अच्छी बरसात हुई है। इस बरसात से मौसम ने भी करवट बदली है। पहले जहां दिन के समय तेज धूप खिलने से मौसम थोड़ी गर्मी को बना हुआ था, वहीं सोमवार को यही दोपहर का मौसम एकदम से बदल गया और इसमें ठंड घुल गई।

फसलों को फायदा

इस बरसात का रबी फसल को बड़ा लाभ मिलने की संभावनाएं हैं। यूं मानो की रबी फसलों की बिजाई के लिए बरसात नहीं, सोना बरसा हो। क्योंकि इस समय खरीफ फसलों की कटाई होने उपरांत खेत खाली पड़े हैं। इसे किसान वरदान मानकर चल रहे हैं, क्योंकि रबी फसल की बिजाई से पहले मौसम में तेजी आने से किसान सिंचाई की जरूरत महसूस कर रहे थे, जो इंद्रदेव ने पूरी कर दी है। बरसात होने से नमी तेजी से फैली है और किसानों को अब रबी खासकर सरसों की बिजाई में कोई परेशानी नहीं आएगी। इलाके के किसान 20 अक्टूबर तक सरसों की बिजाई शुरू करते हैं, लेकिन इस बरसात का फायदा उठाने के चक्कर में किसान अब अगेती सरसों की बिजाई करने को आतुर दिखाई देने लगे हैं। सरसों के साथ ही यहां के किसान चने की फसल भी लेते हैं, जिसके लिए भी इस बरसात को लाभकारी माना जा रहा है। हालांकि गेहूं की फसल भी व्यापक स्तर पर की जाती है, लेकिन उसकी बुवाई में अभी समय बाकी है।

यह कहते हैं अधिकारी

कृषि विभाग के एसडीओ अजय सिंह यादव ने बताया कि बरसात होना फसलों के लिए बड़ा लाभकारी है तथा इससे किसानों को सीधा लाभ होगा। अब रबी की बुवाई से पहले सिंचाई करने की आवश्यकता नहीं है। सरसों की बिजाई हालांकि 20 अक्टूबर तक शुरू होनी है, लेकिन अबकी बार बिजाई जल्दी ही शुरू करने की संभावना है।

बाजार में भरा पानी

सोमवार को दिनभर हुई बरसात से जहां किसानों को राहत मिलने की संभावना बनी है, वहीं शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में अनेक जगहों पर पानी भरने से लोगों की परेशानी भी बढ़ी है। शहर में जल निकासी के पुख्ता इंतजाम नहीं होने से महेंद्रगढ़ में कई जगहों पर पानी भर गया। जगह-जगह पानी भरने से लोगों को राहगीरों को परेशानी हो गई। बरसात में दुकानदारों की दुकानदारी भी प्रभावित हो गई। रेहड़ी एवं खोमचा लगाकर सामान बेचने वालों को भी कमाई से हाथ धौना पड़ गया।

दिनभर हुई हल्की बारिश तापमान में आई गिरावट

नारनौल। जिला महेंद्रगढ़ में तीन मौसम प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से बड़े बदलाव देखने को मिले। सम्पूर्ण इलाके में पिछले 24 घंटों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश व एक दो स्थानों पर ओलावृष्टि की गतिविधियों को दर्ज किया गया। जिससे सम्पूर्ण इलाके में दिन व रात के तापमान में गिरावट आई। जिसके असर से आमजन को मीठी गुलाबी ठंड का अहसास होने लगा है। वर्तमान में एक सशक्त पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से एक चक्रवातीय सर्कुलेशन दक्षिणी पंजाब व उत्तरी राजस्थान पर बना हुआ है, जिसको अरब सागर और बंगाल की खाड़ी पर बनी हलचलों से प्रचूर मात्रा में नमी मिलने से पहले रविवार को पश्चिमी व उत्तरी जिलों, इसके बाद सोमवार को दक्षिणी व मध्यवर्ती और उत्तरी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधियों को दर्ज किया गया।

तापमान में गिरावट

इस दौरान उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर बर्फबारी होने व छिटपुट ओलावृष्टि से सम्पूर्ण इलाके में तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। जिले में सतनाली में 24.0 एमएम, एमहेंद्रगढ़ में 10.6, कनीना में 10, अटेली में 9.5, नारनौल में 18.5, नांगल चौधरी में 8.5 एमएम बारिश हुई। नारनौल व महेंद्रगढ़ में दिन और रात का तापमान क्रमशः 25.5, 22.0 डिग्री सेल्सियस व 22.6, 20. 2डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

मौसम विशेषज्ञ डॉ चंद्रमोहन ने बताया कि वर्तमान मौसम प्रणालियों का असर आठ अक्टूबर तक रहेगा। इसके बाद सम्पूर्ण इलाके में दिन व रात के तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी, क्योंकि उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर बर्फबारी हो रही है व हवाएं उत्तरी होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में तापमान में गिरावट आएगी। जिससे आमजन को जल्दी ही ठंड से रूबरू होना पड़ेगा।

मंडी अटेली। अनाज मंडी में तिरपाल से ढकी बाजरे की ढेरियां। फोटो: हरिभूमि

साहिल ने स्वर्ण, नसीब व साम्या ने रजत जीते

महेंद्रगढ़। सूरज स्कूल के खिलाड़ी।

- 58वीं हरियाणा स्टेट स्कूल कराटे खेल प्रतियोगिता में सूरज स्कूल के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

कैथल में आयोजित 58वीं हरियाणा स्टेट स्कूल कराटे खेल प्रतियोगिता में सूरज स्कूल के विद्यार्थियों ने अपना परचम लहराया है। सूरज स्कूल में छात्र साहिल पुत्र कृष्ण कुमार ने अंडर-19 आयु वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। अंडर-14 आयु वर्ग में विद्यालय के नसीब पुत्र नरेन्द्र ने रजत पदक जीता। लड़कियों की अंडर-14 आयु वर्ग में साम्या पुत्री सत्यवीर ने रजत पदक हासिल किया। प्राचार्य चंद्रपाल यादव ने बताया कि स्कूली खेलों के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि एक ही विद्यालय के तीन विद्यार्थी एकसाथ, एक ही खेल प्रतियोगिता कराटे में राष्ट्रीय स्तर पर महेन्द्रगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता दिसम्बर-जनवरी माह में मध्यप्रदेश के इंदौर और महाराष्ट्र में आयोजित की जाएगी। सूरज स्कूल के खेल कोच जयराम ने उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय स्तर पर भी विद्यालय के छात्र महेंद्रगढ़ जिले का नाम अवश्य रोशन करेंगे। निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि सूरज स्कूल में प्रारम्भ से ही शिक्षा से साथ-साथ शारीरिक गतिविधियों और खेलों पर विशेष ध्यान दिया जाता है तथा स्कूल के विद्यार्थी समय-समय पर विभिन्न प्रतियोगिता में प्रतिभा दर्शाते रहे है। प्राचार्य चंद्रपाल यादव और सभी अध्यापकों ने विजेता विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

महर्षि वाल्मीकि जयंती का जिला स्तरीय समारोह आज

नारनौल। संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत महर्षि वाल्मीकि जयंती का जिला स्तरीय समारोह सात अक्टूबर को होगा। यह भव्य कार्यक्रम लघु सचिवालय के नजदीक सभागार में होगा। समारोह में केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महर्षि वाल्मीकि के महान जीवन मूल्यों, विचारों और समाज को दिए गए उनके संदेशों का व्यापक प्रचार प्रसार करना है। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस महत्वपूर्ण समारोह में उपस्थित होकर महर्षि वाल्मीकि को श्रद्धांजलि अर्पित करें और उनके आदर्शों से प्रेरणा लें। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

नारनौल। भिवानी में संगीता शर्मा को सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

शैक्षणिक सेवा के लिए संगीता शर्मा को मिला सम्मान

नारनौल। ज्योतिबा फुले ट्रस्ट की ओर से भिवानी के हनुमान जोहड़ी धाम परिसर में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में भव्य सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इसमें देश के 11 राज्यों से आए शिक्षकों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक सेवाओं और समाज के प्रति योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस समारोह में महेंद्रगढ़ जिला के गांव बड़कोदा में जीपीएस स्कूल की शिक्षिका संगीता शर्मा को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा शिक्षा बोर्ड भिवानी के चेयरमैन डा. पवन शर्मा एवं विधायक घनश्याम दास की विशेष उपस्थिति रही। वहीं शिक्षा जगत की कई नामी हस्तियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। मंच से वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक समाज की नींव हैं और उनका योगदान किसी भी राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार होता है।

9 छात्राएं कबड्डी में राज्य स्तर पर करेंगी जिले का प्रतिनिधित्व

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा स्कूल की नौ छात्राएं स्टेट लेवल स्कूली कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेकर जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे। खेल प्रबंधक महीपाल यादव व कोच उत्तम सिंह ने बताया कि आगामी आठ से 10 अक्टूबर तक हिसार में स्टेट लेवल स्कूली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें श्रीकृष्णा स्कूल की अंडर-14 आयुवर्ग में पांच लड़कियां, अंडर-17 आयुवर्ग में दो लड़कियां व अंडर-19 आयुवर्ग में दो लड़कियां कबड्डी खेल प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता बीते अगस्त माह में महेंद्रगढ़ में करवाई गई थी, जिसमें श्रीकृष्णा स्कूल के कबड्डी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर स्टेट लेवल स्कूल प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई थी। चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव ने कहा कि खेल सफल जीवन का आधार तथा आगे बढ़ने की एक विचारधारा है।

महेंद्रगढ़। प्रतिस्पर्धा के लिए रवाना होते श्रीकृष्णा स्कूल के खिलाड़ी।

महेंद्रगढ़। जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

विश्व रेबीज-डे के उपलक्ष्य में निकाली जागरूकता रैली

महेंद्रगढ़। बलाना स्थित आरपीएस कॉलेज ऑफ वेट्नरी साइंसेज की ओर से आरपीएस विद्यालय खातोद में विश्व रेबीज दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष युवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में रेबीज जैसी गंभीर व जानलेवा बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना और इसके बचाव के उपायों की जानकारी देना था। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत जागरूकता रैली के साथ हुई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने हाथों में पोस्टर व स्लोगन लेकर रेबीज के प्रति समाज को जागरूक करने का संदेश दिया। रैली कॉलेज परिसर से शुरू होकर आसपास के क्षेत्र में निकाली गई, जिसमें रेबीज से बचाव, जीवन का रखाव जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। ग्रुप एक कक्षा छठी, 7वीं, 8वीं से हिमांशी, हंसिका, पार्थ, संध्या, हर्षित, हीरल, भाविका, सोनाली, नेहा, नव्या विजेता रहे। ग्रुप दो कक्षा नौवीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं में ज्योति, जतिन वर्मा, गौरव, आरव राघव, हर्षिता बेरीवाल, कार्तिका, आराध्या, ख़ुशी यादव, हिमांशु परिणीता विजेता रहे।

अजमीढ़ जयंती मनाई गई, प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

महाराजा अजमीढ़ के आदर्श आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक

सांसद ने महाराजा अजमीढ़ की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। अजमीढ़ जयंती कार्यक्रम में अतिथियों को सम्मानित करते हुए।

दादरी रोड पर स्थित सोनी धर्मशाला में महाराजा अजमीढ़ की जयंती मनाई गई। इस दौरान प्रतिभा सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ प्रधान लक्खीराम सोनी ने की। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। सांसद ने महाराजा अजमीढ़ की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और समाज में एकता, संस्कार एवं सेवा भावना के प्रसार पर बल दिया। चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि महाराजा अजमीढ़ के आदर्श आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने समाज में समानता, परोपकार और जनसेवा के मूल्यों को स्थापित किया, जिन्हें हमें अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। महाराजा अजमीढ़ जयंती के पर छोटे-छोटे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए और विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित किया गया। मास्टर अमरसिंह सोनी के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। लोकसभा सांसद धर्मवीर सिंह ने 11 लाख रुपये, प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल वर्मा ने एक लाख रुपये, विधायक कंवर सिंह यादव ने 2.5 लाख रुपये और समाजसेवी प्रधान सुरेन्द्र बंटी ने एक लाख रुपये धर्मशाला निर्माण में सहयोग किया।

माफी मांगनी चाहिए

संघ प्रवक्ता राजू सोनी बताया कि भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य एवं भाजपा प्रवक्ता शंकरलाल धूप्पड़, विधायक कंवर सिंह यादव, पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा के भाई राजू शर्मा, आदर्श रामलीला कमेटी प्रधान सुरेन्द्र बंटी, समाजसेवी अनिल वर्मा दिल्ली, अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ मुख्य संरक्षक बहादुर सिंह वर्मा, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जयपाल लांबा, महामंत्री चड्ढा, स्वर्णकार सेवा संघ हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र वर्मा, उपाध्यक्ष राजकुमार महम व संजय सोनी जींद आदि उपस्थित रहे।

जीएल महिला डिग्री कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित

कनीना। जीएल महिला डिग्री कॉलेज में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. नेहा ने छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता और नशा मुक्ति विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान डॉ. नेहा ने छात्राओं को बताया कि कैसे स्वच्छता को अपनाकर वे स्वस्थ जीवन जी सकती हैं और नशे से दूर रहकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकती हैं। उन्होंने बताया कि युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए समाज और परिवार को मिलकर प्रयास करने चाहिए। कॉलेज प्रशासन ने इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम को नियमित रूप से आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि छात्राएं न केवल शिक्षित हों, बल्कि सामाजिक रूप से भी जागरूक बनें।